सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 343 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 20 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

संकट के समय हर छोटी चीज मायने रखती है।
–जवाहरलाल नेहरु

लगातार 5वीं जीत के साथ प्लेऑफ में... 7 | वीबी-जी-राम-जी पर सियासी... 3 | उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और अपराध... 2

ईवीएम बाय-बाय बैलेट पेपर वेलकम

कर्नाटक से उठी चिंगारी क्या दिल्ली तक आग लगाएगी?

» तकनीकी भारत की राजधानी माने जाने वाले शहर बैंगलुरू में होंगे मतपत्र से चुनाव

» बैलेट पेपेर से चुनाव सफल हुए तो यह देशव्यापी राजनीतिक दबाव में बदल सकते हैं।

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति ने एक ऐसा फैसला लिया है जिसने न सिर्फ दक्षिण भारत बल्कि पूरे देश की चुनावी व्यवस्था पर बहस को फिर से जिंदा कर दिया है। बेंगलुरु के नगर निकाय चुनाव जो तकनीकी भारत की राजधानी माने जाने वाले शहर में होने जा रहे हैं अब ईवीएम से नहीं बल्कि बैलेट पेपर से कराए जाएंगे।

यह फैसला केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं है बल्कि यह उस गहरे राजनीतिक अविश्वास का प्रमाण है जो बीते एक दशक से भारतीय चुनावी व्यवस्था के भीतर सुलग रहा है। ईवीएम के दौर में पहली बार ऐसा हो रहा है कि किसी बड़े महानगर में स्थानीय निकाय चुनाव पूरी तरह मतपत्र से होंगे। सवाल सिर्फ मतदान प्रक्रिया का नहीं है सवाल सत्ता साख और सियासी भविष्य का है।

बीजेपी का गेम प्लान, चुप्पी और इंतज़ार

25 मई के बाद कराए जाएंगे पांच नगर निगमों के चुनाव

बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को बेहद शांति से देख रही है। यह चुप्पी बीजेपी की कमजोरी नहीं बल्कि उसकी राजनीतिक रणनीति है। बीजेपी जानती है कि बैलेट पेपर में स्थानीय स्तर पर पैसे दबाव और जातीय समीकरण ज्यादा काम करते हैं कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान चुनावी मशीनरी को कमजोर कर सकती है और अगर कांग्रेस हारती है तो नैरेटिव तैयार है देखो बैलेट पेपर भी कांग्रेस को नहीं जिता पाया। बीजेपी का लक्ष्य साफ है कर्नाटक में सरकार गिराना नहीं कांग्रेस को अंदर से खोखला करना। कर्नाटक सिर्फ एक राज्य नहीं है। यह दक्षिण भारत की राजनीतिक प्रयोगशाला है यहां जो होता है उसका असर तमिलनाडु, तेलंगाना, केरल और दिल्ली तक जाता है। अगर बैलेट पेपर माडल सफल रहा तो विपक्ष को 2029 से पहले एक नया हथियार मिल जाएगा। अगर असफल रहा तो बीजेपी को ईवीएम पर चल रही बहस को हमेशा के लिए दबाने का मौका।

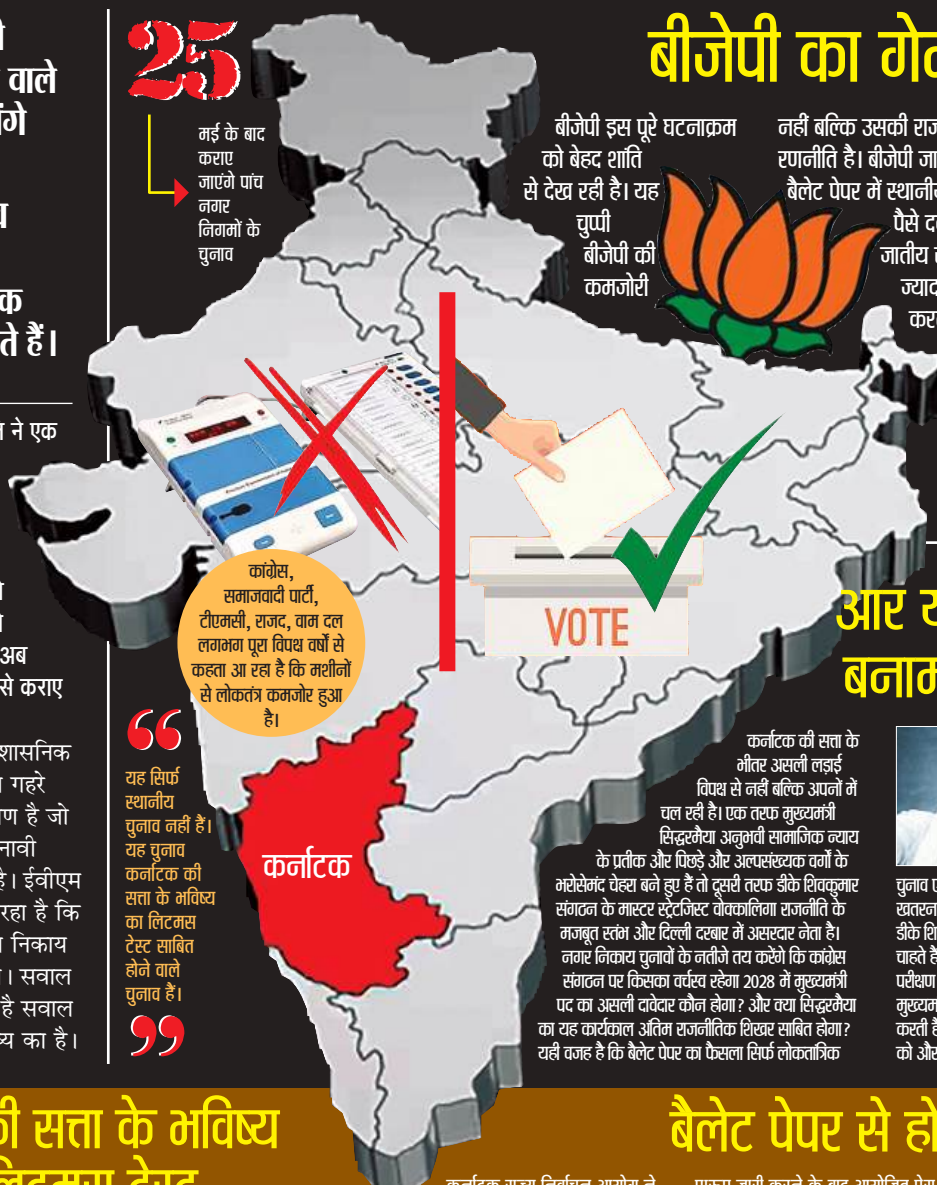

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, राजद, वाम दल लगभग पूरा विपक्ष वर्षों से कहता आ रहा है कि मशीनों से लोकतंत्र कमजोर हुआ है।

“यह सिर्फ स्थानीय चुनाव नहीं हैं। यह चुनाव कर्नाटक की सत्ता के भविष्य का लिटमस टेस्ट साबित होने वाले चुनाव हैं।”

आर या पार सिद्धरमैया बनाम डीके शिवकुमार

कर्नाटक की सत्ता के भीतर असली लड़ाई विपक्ष से नहीं बल्कि अपनों में चल रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री सिद्धरमैया अनुभवी सामाजिक न्याय के प्रतीक और पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्गों के भरोसेमंद चेहरा बने हुए हैं तो दूसरी तरफ डीके शिवकुमार संगठन के मास्टर स्ट्रेटजिस्ट वोक्कालिगा राजनीति के मजबूत स्तंभ और दिल्ली दरबार में असरदार नेता है। नगर निकाय चुनावों के नतीजे तय करेंगे कि कांग्रेस संगठन पर किसका वर्चस्व रहेगा 2028 में मुख्यमंत्री पद का असली दावेदार कौन होगा? और क्या सिद्धरमैया का यह कार्यकाल अंतिम राजनीतिक शिखर साबित होगा? यही वजह है कि बैलेट पेपर का फैसला सिर्फ लोकतांत्रिक नहीं बल्कि सत्ता संतुलन का हथियार भी है। सभी स्थानीय निकाय चुनाव एक साथ कराना यह जितना सरल दिखता है उतना ही खतरनाक भी साबित हो सकता है। यह रणनीति बताती है कि डीके शिवकुमार चुनावों को राजनीतिक मोमेंटम में बदलना चाहते हैं। एक साथ चुनाव का मतलब संगठन की ताकत का परीक्षण फंड, कैडर और प्रचार का केंद्रीकरण और सबसे अहम मुख्यमंत्री पर सामूहिक दबाव अगर कांग्रेस शानदार जीत दर्ज करती है तो इसका श्रेय किसे मिलेगा सरकार को या संगठन को और यहीं से असली लड़ाई शुरू होगी।

बैलेट पर भरोसा

ईवीएम पर आरोप कोई नयी बात नहीं। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी, राजद, वाम दल लगभग पूरा विपक्ष वर्षों से कहता आ रहा है कि मशीनों से लोकतंत्र कमजोर हुआ है। सभी दल लंबे समय से सरकार से मांग कर रहे हैं कि देश में बैलट पेपर से चुनाव कराये जाएं। विपक्ष का कहना है कि पूरी दुनिया के सशक्त लोकतांत्रिक देशों में बैलेट पेपर से ही चुनाव होते हैं चाहे वह अमरीका ही क्यों न हो। सरकार हो या चुनाव आयोग अभी तक किसी ने भी विपक्ष की यह मांग नहीं मानी। चुनाव आयोग पर जब उंगली उठी तो उसने मशीन को हैक करने को साबित करने के लिए कहा जो कोई नहीं कर पाया। अब सवाल उठता है कि बैलेट पेपर से चुनाव की मांग क्या सिर्फ विपक्ष की खीज का नीतजा है। हालांकि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और चुनाव आयोग ने भी एलान कर दिया है? कि इस बार के निकाय चुनाव मतपत्रों से होंगे। कर्नाटक से उठा यह प्रयोग अगर सफल हुआ, तो यह देशव्यापी राजनीतिक दबाव में बदल सकता है।

कर्नाटक की सत्ता के भविष्य का लिटमस टेस्ट

369 वार्ड 88 लाख से अधिक मतदाता पांच नए नगर निगम और जिला तालुक ग्राम पंचायत चुनाव। यह सिर्फ स्थानीय चुनाव नहीं हैं। यह चुनाव कर्नाटक की सत्ता के भविष्य का लिटमस टेस्ट साबित होने वाले चुनाव हैं। कांग्रेस सरकार जानती है कि नगर निकाय चुनाव जीतना केवल प्रशासनिक मजबूती नहीं दिखाता बल्कि यह साबित करता है कि सरकार की जड़ें जमीन में कितनी गहरी हैं। यही वजह है कि इन चुनावों को एक साथ कराने की रणनीति सामने आयी है ताकि सत्ता की लय टूटने न पाए।

बैलेट पेपर से होंगे चुनाव

कर्नाटक राज्य निर्वाचन आयोग ने घोषणा की है कि बेंगलुरु के नगर निकाय चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बजाय बैलेट पेपर का इस्तेमाल किया जाएगा। यह चुनाव 25 मई के बाद कराए जाएंगे। कर्नाटक राज्य निर्वाचन आयुक्त जी.एस. संग्रेशी ने ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी क्षेत्र के लिए मतदाता सूची का प्रारूप जारी करने के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीबीए के अंतर्गत नवगठित पांच नगर निगमों के चुनाव 25 मई के बाद कराए जाएंगे और इनमें ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान होगा। संग्रेशी ने बताया कि आगामी जीबीए चुनावों के साथ साथ जिला पंचायत, तालुक पंचायत और ग्राम पंचायत चुनाव भी बैलेट पेपर के जरिए कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी 369 वार्डों की वार्ड वार प्रारूप मतदाता सूची सार्वजनिक निरीक्षण के लिए प्रकाशित कर दी गयी है। अंतिम मतदाता सूची 16 मार्च को जारी की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर पहुंचा : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले-भाजपा नेता के संबंध अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। सपा मुखिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और अपराध चरम पर हैं। हत्या, लूट, चोरी, डकैती और बलात्कार की घटनाएं हर दिन हो रही हैं। हर विभाग और हर कार्य में लूट मची है। भाजपा सरकार अपराध और भ्रष्टाचार को रोकने में पूरी तरह से विफल है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि कानून-व्यवस्था, अपराध और भ्रष्टाचार पर सरकार का जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो है। सीतापुर में सेवानिवृत लेखपाल के घर परिवार को बंधक बनाकर 17 लाख की डकैती हो गई। अम्बेडकरनगर में अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित गांधी आश्रम में दिनदहाड़े एक महिला की गला रेता कर हत्या कर दी गई। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार के रहते न अपराध रुक सकता है और न भ्रष्टाचार, क्योंकि भाजपा के नेता अपराधियों और भ्रष्टाचारियों से मिले हुए हैं। भाजपा सरकार में जल जीवन मिशन में भारी भ्रष्टाचार हुआ। कई जिलों में पानी की टंकियां टूट कर ध्वस्त हो गईं। चित्रकूट में कोषागार में 43 करो? से ज्यादा का घोटाला हुआ।

उन्होंने कहा कि गोंडा में यूपी कोऑपरेटिव बैंक में 21 करोड़ से ज्यादा रुपये का घोटाला हुआ। कोडीन कफ सिरप का

मामला देशव्यापी है। भाजपा सरकार जब से सत्ता में आई चौतरफा भ्रष्टाचार, घोटाला और सरकारी बजट की लूट चल रही है।

उधर, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से सोमवार को मुजफ्फरनगर व शामली के दो नौजवान पहलवानों मोंटी मलिक और नवीन बालियान ने मुलाकात की। दोनों ने कहा कि सपा सरकार में पहलवानों को खेल पुरस्कार और यश भारती से सम्मानित किया गया था। इस अवसर पर सांसद हरेंद्र मलिक और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे।

सपा नेतृत्व ने बरेली जिला कार्यकारिणी को अध्यक्ष समेत भंग कर दिया है। सपा सूत्रों के मुताबिक, जल्दी ही वहां नई कमेटी का गठन होगा। इसके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने होमवर्क पूरा कर लिया है। समाजवादी पृष्ठभूमि के पुराने कार्यकर्ता को नया जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा। देश में सोमवार को चांदी

10,000 रुपये की जोरदार उछाल के साथ तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई जबकि सोना भी 1,900 रुपये उछलकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। अब इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भ्रष्ट-भाजपाई अर्थव्यवस्था का न्यू कांसेप्ट। भ्रष्टाचार का ठोसीकरण= भ्रष्ट उपायों से कमाए गए, नक़द तरल द्रव्य रूपी धन को बहुमूल्य धातुओं में बदलना।

सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी स्थित मणिकर्णिका घाट पर हुई तोड़फोड़ के संदर्भ में दिए गए बयान का अप्रत्यक्ष तौर पर जिक्र करते हुए अखिलेश ने लिखा कि अगर विश्वास न हो तो 'एआई' की सहायता से इस मूल्य वृद्धि की एनालिसिस करा ली जाए।

कैंट विस में विनय शंकर तिवारी संभालेंगे मोर्चा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ कैंट विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने और एसआईआर संबंधी कामों पर निगरानी के लिए पूर्व मंत्री हरिशंकर तिवारी के पुत्र पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी को लगाकर भविष्य की अपनी रणनीति का संकेत दे दिया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक कैंट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं।

हम पूरी दमदारी से चुनाव लड़ेंगे : श्याम लाल

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की ओर से इस संबंध में महानगर अध्यक्ष फाखिर सिद्दीकी को पत्र भेजा गया है। पत्र मिलने की पुष्टि करते हुए सिद्दीकी ने कहा कि कैंट में हम पूरी दमदारी से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सपा नेतृत्व के इस पत्र में कहा गया है कि अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी व पूर्व मंत्री तेज नारायण उर्फ पवन पांडेय को लखनऊ महानगर की कैंट विधानसभा क्षेत्र में लगाया गया है। इन्हें संगठनात्मक ढांचा मजबूत करने के साथ एसआईआर के तहत फार्म नंबर 6, 7 व 8 का काम पूर्ण कराने और आपत्तियों के निस्तारण के लिए प्रभारी भी बनाया गया है।

राजद में ऑपरेशन क्लीन करेंगे तेजस्वी यादव

» कई भितरघातियों पर गिरेगी गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना करने के बाद राष्ट्रीय जनता दल अब इसका ओवरहालिंग करेगी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पार्टी के भीतर ऑपरेशन क्लीन चलाने का फैसला किया है। इस रणनीति के तहत पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक के संगठन को भंग कर नए सिरे से नियुक्तियां की जाएंगी। माना जा रहा है कि तेजस्वी अब उन चेहरों को आगे लाएंगे जो न केवल सक्रिय हैं, बल्कि जनता के बीच गहरी पैठ रखते हैं।

राष्ट्रीय जनता दल के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल की छुट्टी हो सकती है। उनके गिरते स्वास्थ्य और चुनाव परिणामों को देखते हुए पार्टी अब

किसी युवा और ऊर्जावान नेता को बिहार की कमान सौंपने पर विचार कर रही है। इसको लेकर 25 जनवरी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक अहम बैठक होने वाली है, जिसमें नए अध्यक्ष के नाम पर मुहर लग सकती है। बताया जा रहा है कि इस नई कमिटी में सभी जातियों और धर्मों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि छवि को और मजबूती दी जा सके।

300 नेताओं पर होगी कार्रवाई

बिहार विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त के बाद राष्ट्रीय जनता दल अब बड़े बदलाव की तैयारी में है। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली हार की समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई है कि चुनाव के वक्त पार्टी के ही कई नेताओं ने उम्मीदवारों को नुकसान पहुँचाया। इसको लेकर राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने भितरघात करने वाले लगभग 300 लोगों की सूची तेजस्वी यादव को सौंपी है। तीन दर्जन से अधिक ऐसे नेता चिह्नित किए गए हैं, जिन्होंने चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर पार्टी विरोधी पोस्ट किए थे। इसलिए तेजस्वी यादव ने अब यह निर्णय लिया है कि प्रदेश कार्यालय में अनुशासन भंग करने वाले आधा दर्जन कर्मियों और निष्क्रिय पदाधिकारियों को बाहर किया जाएगा।

चुनावी फायदे के लिए हिंदुओं और मुस्लिमों को बांटा जा रहा है : अब्दुल्ला

» नेकां के अध्यक्ष बोले- यह देश सबका है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रें स (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला नेदेश में धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ने का दावा किया और आरोप लगाया कि चुनावी फायदे के लिए नफरत की राजनीति को बढ़ावा दिया जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी के एक कार्यक्र म के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने 1947 में पाकिस्तान के बजाय भारत को चुना था और वह लगातार पड़ोसी देश के खिलाफ खड़ी रही है, जो अब भी क्षेत्र में अशांति फैलाने की कोशिश करता रहता है।

बॉलीवुड से काम कम मिलने और इसे सांप्रदायिक मुद्दे से जोड़ने संबंधी संगीतकार ए. आर. रहमान की हालिया टिप्पणी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में देश में नफरत की आग भड़काई गई है और चुनावी उद्देश्यों से हिंदुओं और मुसलमानों को जानबूझकर बांटा जा रहा है। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में हम क्या करें? यह देश सबका है। भारत हमेशा 'विविधता में एकता' का उदाहरण रहा है, जहां सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर कुछ लोग धर्म के नाम पर समाज को बांटने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है, और ऐसी प्रवृत्तियां कोई नयी बात नहीं हैं।

भाजपा एक्टर विजय पर दबाव डाल रही है : एलंगोवन

» डीएमके नेता ने कहा- सीबीआई का हो रहा दुरुपयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के नेता टीकेएस एलंगोवन ने आरोप लगाया कि तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता विजय पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष पेशी के बाद राजनीतिक दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

एलंगोवन ने एएनआई को बताया कि वे (भाजपा) विजय को धमका रहे हैं, और यह बात जनता को सर्वविदित है। उन्होंने जना नायकन को सेंसर सर्टिफिकेट नहीं दिया है और जानबूझकर इसमें देरी कर रहे हैं। उनका इरादा विजय पर दबाव डालकर उन्हें अपने पक्ष में करना है। भाजपा एक वॉशिंग मशीन की तरह

है। वे किसी पर कुछ आरोप लगाते हैं, और फिर अगर वह व्यक्ति उनके साथ जुड़ जाता है, तो वे सारे आरोप वापस ले लेते हैं। वे अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहे हैं। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता विजय अभिनीत तमिल फिल्म जना नायकन के निर्माताओं द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी, जिसने फिल्म के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को रोक दिया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले की सुनवाई की और मद्रास उच्च न्यायालय को 20 जनवरी तक इस मामले पर फैसला सुनाने का निर्देश दिया। यह याचिका फिल्म के निर्माता, केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी द्वारा दायर की गई थी। निर्माता ने मद्रास उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसने केंद्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड (सीबीएफसी) को फिल्म को प्रमाणित करने के लिए दिए गए पूर्व निर्देश पर रोक लगा दी थी। जना नायकन को 9 जनवरी को पोंगल के अवसर पर रिलीज करने की योजना थी और इसे विजय की राजनीति में पूरी तरह से कदम रखने से पहले की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। अभिनेता ने हाल ही में अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) की शुरुआत की है।

वीबी-जी-राम-जी पर सियासी कोहराम जारी

कांग्रेस अध्यक्ष का केंद्र सरकार पर हमला

- भाजपा व कांग्रेस में घमासान
- कृषि मंत्री ने खरगे को घेरा
- नेता प्रतिपक्ष भी भरेंगे हुंकार
- देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों के हाथों में सौंप रहे हैं प्रधानमंत्री : खरगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वीबी-जी राम जी पर सियासी कोहराम थम नहीं रहा है। जहां कांग्रेस पूरे देश में इसके खिलाफ आंदोलन कर रही है। वहीं बीजेपी के दिग्गज नेता इसकी तारीफ में जगह-जगह जनता के बीच जा रहें हैं। उधर दोनों पार्टियों के बड़े नेता एक दूसरे पर वार पलटवार कर रहे हैं। इन सबके बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल मनरेगा को फिर से लाने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में मंगलवार को जनता के बीच हुंकार भरेंगे।

वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वीबी-जी राम जी विधेयक पर कांग्रेस की आलोचना को गांधी जी का सत्य नहीं बताते हुए खारिज कर दिया और विपक्ष पर एआई-जनरेटेड तस्वीरों के जरिए झूठ फैलाने और अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह कानून किसानों और मजदूरों के बीच समन्वय को बढ़ावा देगा। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा को निरस्त करने और उसके स्थान पर 'वीबी-जी राम जी' नामक एक नयी ग्रामीण रोजगार योजना लागू करने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'जनविरोधी' करार देते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मदद करने के बजाय 'देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों को सौंप' रहे हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के विरुद्ध अपना संघर्ष जारी रखेगी।

प्रस्तावित कानून में पारदर्शिता

उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी बचाओ एमएनआरईजीए अभियान का जिक्र करते हुए कहा, यह गांधी जी का सत्य नहीं है यह सत्य का मजाक है। मैंने आंदोलनों और अभियानों के बारे में सुना है, लेकिन संग्राम, यह किस तरह की शब्दावली है? चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं, दिव्यांगजन और गरीब सरकार की रोजगार प्रतिबद्धता के केंद्र में हैं। ग्रामीण संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए चौहान ने कहा कि भारत के 85 प्रतिशत से अधिक किसान लघु एवं सीमांत किसान हैं जिन्हें बुवाई और कटाई के मौसम में अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून ग्राम पंचायतों को स्थानीय जरूरतों के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार देता है, जिससे पारदर्शिता और विकेंद्रीकृत योजना सुनिश्चित होती है।

कांग्रेस नेता गलत सूचना फैला रहे: शिवराज सिंह

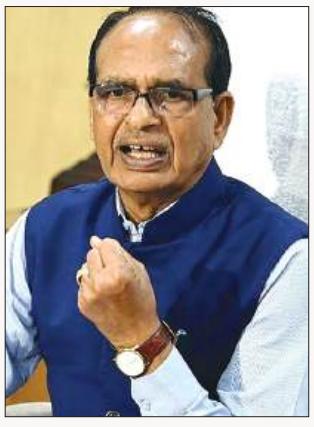

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम पर विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस नेताओं पर गलत सूचना फैलाने और कानून को लेकर अनावश्यक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि यह सत्य नहीं है। चौहान ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के उद्देश्य का बचाव करते हुए कहा कि यह योजना जमीनी स्तर पर किसानों और मजदूरों के बीच समन्वित प्रयासों को बढ़ावा देती है। चौहान ने कहा कि अगर हमारे मजदूर भाई-बहन और किसान मिलकर काम करते हैं, तो इसमें क्या गलत है? मैं राहुल जी और खरगे जी से एक बार फिर आग्रह करना चाहता हूं कि इस तरह का झूठ आपको शोभा नहीं देता। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वे झूठ का अड्डा और तथ्यों का गलत प्रस्तुतीकरण बंद करें। कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खर्गे के बयानों और ऑनलाइन पोस्ट का हवाला देते हुए चौहान ने पूछा कि गलत सूचना फैलाने के लिए एआई-जनरेटेड तस्वीरें पोस्ट की जा रही हैं। क्या लोकतंत्र में यह जायज है? आप एआई-जनरेटेड तस्वीरें क्यों पोस्ट कर रहे हैं? क्या आपको जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है? उन्होंने विपक्ष से आगे कहा, मैं एक बार फिर आग्रह करता हूं कि वे झूठ का यह अड्डा बंद कर दें।

राहुल गांधी ने भी किया वीबी-रामजी का विरोध

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को रद्द करने के विरोध में जनसभा को संबोधित करने और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करने के लिए उत्तर प्रदेश के अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर रवाना होंगे। अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन, यानी 20 जनवरी को, राहुल गांधी रोहनिया, उन्चाहार में एक एमजीएनआरईजीए चौपाल (सामुदायिक सभा) आयोजित करेंगे। राहुल गांधी आईआईटी कॉलोनी स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन भी करेंगे और एमपीएलएडीएस (संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) के कार्यों का भी शुभारंभ करेंगे। वे नगर निगम अध्यक्ष के आवास पर भी जाएंगे। इसके बाद, दूसरे दिन कांग्रेस सांसद की अपने गेस्ट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक निर्धारित है। कांग्रेस ने हाल ही में पारित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम, 2025 का विरोध किया है, जिसने प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना का स्थान लिया है।

नए कानून से राज्य सरकारों पर 30 प्रतिशत का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा

खरगे ने कहा, नए कानून के तहत 60:40 के लागत-साझाकरण अनुपात के साथ, राज्य सरकारों पर 30 प्रतिशत का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है, क्योंकि पहले केंद्र और राज्यों के बीच लागत-साझाकरण अनुपात 90:10 था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का इरादा मनरेगा योजना को पूरी तरह से बंद करना और लोगों तक इसके लाभ पहुंचने से रोकना था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार संप्रग काल की कल्याणकारी योजनाओं जैसे शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा का अधिकार और मनरेगा के तहत काम करने के अधिकार को व्यवस्थित रूप से निशाना बना रही है।

उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा, वे इन योजनाओं को गरीबों तक पहुंचने से रोकना चाहते हैं। मनरेगा गरीबों को दिया गया एक अधिकार था। मनरेगा के आलोचकों और इस योजना के तहत भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब देते हुए खरगे ने कहा कि केंद्र स्वयं ऑडिट करता है, और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के अनुसार इस योजना के तहत झीलों, सड़कों, स्कूल भवनों और आंगनवाड़ियों सहित कई संपत्तियों का निर्माण किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''अगर भाजपा मनरेगा जैसी योजनाओं का विरोध कर रही है, तो वह जनविरोधी है। प्रधानमंत्री मोदी गरीबों की मदद करने के बजाय देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों को सौंप रहे हैं और मनरेगा के लिए 30 प्रतिशत धनराशि में कटौती कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, मैं इसकी निंदा करता हूं। हम इसके खिलाफ लड़ रहे हैं, और यह लड़ाई जारी रहेगी। हम यहीं नहीं रुकेंगे।

मनरेगा आम लोगों के लिए काम करने का अधिकार

खरगे ने 'विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन' (वीबी-जी राम जी) को रद्द करने और उसके स्थान पर मनरेगा को बहाल करने की मांग भी की। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा, मैं किसी के भी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मनरेगा आम लोगों के लिए काम करने का अधिकार था। संविधान के निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 41 के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सोनिया गांधी के नेतृत्व में इसे कानून के रूप में अधिनियमित किया गया था। उन्होंने एक ऐसे अधिनियम को रद्द कर दिया है जिसका उद्देश्य गरीबों का पेट भरना और उनकी मदद करना था। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र के इस कदम से पंचायतों के कामकाज में भी 'बाधा' आएगी।

कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 30 महापंचायतों का आयोजन करेगी : अजय राय

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि नए कानून के विरोध में एक व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में 30 महापंचायतों का आयोजन करेगी। अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे भी इनमें से कुछ महापंचायतों में भाग ले सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में, पार्टी ने केंद्र के हाल ही में पारित वीबी रामजी अधिनियम के विरोध में मनरेगा बचाओ शीर्षक से देशव्यापी तीन चरणों के आंदोलन की घोषणा की थी। पार्टी के

अनुसार, अभियान का दूसरा चरण, जो 12 जनवरी को शुरू हुआ, 30 जनवरी तक चलेगा। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, सभी ग्राम पंचायतों में पंचायत स्तर की चौपालें आयोजित की जाएंगी और कांग्रेस अध्यक्ष का पत्र भी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि विधानसभा स्तर पर नुक्कड़ सभाएं और पर्चे बांटने की भी योजना है। उन्होंने कहा, 30 जनवरी को, शहीद दिवस के अवसर पर, पार्टी एमजीएनआरईजीए कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड स्तर पर शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करेगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मोबाइल पर किशोरों के समय पर लगे पाबंदी

भारत के किशोरों में मोबाइल व उसपर गेम खेलने चलन या कह सकते है लत बढ़ती जा रही है। सबसे बड़ी बात ये जानलेवा बनता जा रहा है। मोबाइल पर ज्यादा समय देने की वजह से ये किशोर समाज व परिवार से दूर होते जा रहें हैं जिसकी वजह से जब ये सोशल मीडिया से दूर होते हैं तो डिप्रेशन में चले जाते हैं इसकी परिणती आत्मदाह के रूप में सामने आता है। ऐसे में अब ये चर्चा हो रही है कि मोबाइल पर समय की पाबंदी लगाई जाए। अभी हाल में एम्स की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते स्क्रीन टाइम और शारीरिक गतिविधि न करने के कारण किशोरों में मांसपेशी और हड्डी संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं। इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की एक टीम ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से किए गए दो वर्षीय अध्ययन में यह खुलासा किया है। अध्ययन के आधार पर विशेषज्ञों ने स्कूली पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपी को शामिल करने की सलाह दी है, ताकि किशोरों के स्वास्थ्य को सुधारा जा सके और चोटों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। एम्स ने अक्तूबर 2023 से दिल्ली के दो निजी स्कूलों के 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 380 छात्रों पर नजर रखी गई। इस दौरान उनकी दिनचर्या, बैठने की आदतों और स्वास्थ्य पर गहन विश्लेषण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश किशोरों में पोस्चर संबंधी समस्याएं जैसे आगे की ओर झुकना, गर्दन और कंधों में दर्द, पीठ के निचले हिस्से में दर्द, इलियोटिबियल बैंड की जकड़न, सपाट पैर और हैमस्ट्रिंग की कठोरता जैसी शिकायतें आम हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि पारंपरिक गतिविधियां जैसे स्ट्रेचिंग से पहले खेलना या फर्श पर बैठना शरीर के लचीलापन को बनाए रखती हैं, लेकिन आजकल की जीवनशैली इनसे दूर कर रही है। समस्याग्रस्त किशोरों को 12 सप्ताह की फिजियोथेरेपी दी गई, जिसके बाद अगले 24 सप्ताह तक उनकी निगरानी की गई। परिणाम में देखा गया कि बच्चों में न केवल उनकी मांसपेशी और हड्डी संबंधी दिक्कतें कम हुई, बल्कि पोस्चर में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया।

“ पारंपरिक आदतें जैसे उकड़ू बैठना, पालथी मारकर भोजन करना या नंगे पैर चलना, जो शरीर को लचीला रखती थीं। मौजूदा समय में यह पीछे छूट गई हैं। इसके बजाय, बच्चे और किशोर घंटों झुककर मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर पर समय बिता रहे हैं, जबकि स्कूल में छह से सात घंटे की निरंतर बैठकी और व्यायाम की कमी से पोस्चर विकार उत्पन्न हो रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र में कानून ही लोक की अंतिम उम्मीद

सुरेश सेठ

भारत की न्यायपालिका की परंपरा अत्यंत गरिमापूर्ण रही है। लोकतांत्रिक मूल्यों का पालन करते हुए उसने हाल के दिनों में भी वैसा ही आचरण किया है, जैसा एक स्वतंत्र न्यायपालिका से अपेक्षित होता है। किसी अधिनायकवादी देश में यह कल्पना भी कठिन है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने ही निर्णय पर पुनर्विचार करे या निचली अदालत के आदेश को गलत मानकर उसमें संशोधन करे। भारत में यह संभव हुआ है, जो लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है। यहां देर-सबेर जनता की आवाज सुनी जाती है। सरकारी फैसले, जो लोगों को पीड़ित, क्रुद्ध या उन्हें आक्रोशित करते हैं, तो सरकार भी जनभावनाओं के अनुरूप अपने निर्णय बदलती है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की सच्ची पहचान और सामूहिक प्रगति का मार्ग है।

हम यहां किसान आंदोलन की चर्चा नहीं करेंगे, जिसके बारे में सरकार ने उनके लंबे धरनों के बाद किए गए फैसले वापस ले लिए। हम पंजाब यूनिवर्सिटी की बात भी नहीं करेंगे, जिसके संबंध में केंद्र ने पंजाबियों की भावनाओं को समझते हुए अपना फैसला बदल दिया। ऐसे में पंजाब यूनिवर्सिटी हमेशा की तरह पंजाब की शान बनी रही। नवीनतम फैसलों की चर्चा करें तो सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला में खनन से संबंधित अपने पूर्व आदेश पर पुनर्विचार का निर्णय उल्लेखनीय है। न्यायालय को यह आशंका हुई कि खनन आवंटन और अरावली के संरक्षण के बीच संतुलन न बिगड़ जाए, इसलिए विशेषज्ञों से पुन: विचार कर नया फैसला देने का निर्णय लिया गया। यह न्यायपालिका की पर्यावरणीय संवेदनशीलता और लोचशीलता को दर्शाता है। इसी क्रम में सुप्रीम कोर्ट के एक अन्य आदेश ने भारतीय लोकतंत्र में सबकी बात सुने जाने की गरिमा को पुन: स्थापित किया। यह मामला उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर से जुड़ा है, जिसकी जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया।

वर्ष 2017 के उन्नाव कांड में पीड़िता और उसके परिवार पर हुए अमानवीय अत्याचार, धमकियां और हिंसा ने पूरे देश को झकझोर दिया था। पीड़िता और उसके पिता ने न्यायालय से न्याय की गुहार लगाई। इसके पहले, बाहुबली ने लालच देकर

उन्हें लोकलाज का भय दिखाकर चुप रहने के लिए दबाव डाला। इसके बाद पीड़िता के पिता को कुछ मामलों में फंसाकर हिरासत में रखा गया, उनकी मारपीट करवाई गई, और इसी कारण उनकी मृत्यु हो गई। इस बाहुबली ने 23 दिसंबर, 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत प्राप्त कर ली थी। दलील दी कि वह एक जनसेवक है और पहले ही इस मामले में पांच साल की सजा भोग चुका है। पीड़िता के भय का अंत नहीं हुआ, क्योंकि बाहुबली रिहा हो गया था। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाकर सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं और पीड़ित के भय का अंत करना न्याय की मूल शर्त है। देशभर में इस फैसले का स्वागत किया गया, क्योंकि बाहुबली के सामने निर्बल पीड़ितों की आवाज सुनी गई। ऐसी घटनाएं केवल लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही संभव हैं। बार-बार यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय लोकतंत्र अंतत: अपनी गरिमा स्थापित करता है। यहाँ विपक्ष की आवाज सुनी जाती है और पीड़ितों व वंचितों के हितों पर ध्यान दिया जाता है। जातिगत जनगणना इसका उदाहरण है। लंबे समय से विपक्ष इसकी मांग कर रहा था, क्योंकि 2011 के बाद यह नहीं हुई थी। 2026 में प्रस्तावित जनगणना से पहले ही केंद्र सरकार ने स्वयं जातिगत जनगणना कराने का निर्णय ले लिया। भारतीय समाज एक खुला समाज है। जब भी कोई त्रुटि या प्रवंचना सामने आती है, सरकार-चाहे कोई भी हो—उसका संज्ञान लेकर निर्णय बदलने से नहीं हिचकती। सामान्यत: न्यायपालिका के निर्णय अंतिम माने जाते हैं, किंतु जहां आवश्यक हुआ, वहां सर्वोच्च न्यायालय ने न केवल बाहुबली की सजा निलंबन पर रोक लगाई, बल्कि अपने ही निर्णयों पर पुनर्विचार करने का साहस भी दिखाया।

इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाया गया। संविधान के प्रति प्रतिबद्धता पर हाल के चुनावों में सत्ता और विपक्ष दोनों एकमत दिखाई दिए। वर्ष के अंत में न्यायपालिका द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के निर्णय पर पुनर्विचार और अरावली में खनन आवंटन पर पर्यावरण को सर्वोपरि मानकर विचार करने से जनता आश्वस्त हुई है कि भारतीय लोकतंत्र में अन्याय के प्रतिकार के मार्ग सदैव खुले रहते हैं।

मोदी सरकार की सांस्कृतिक महत्वाकांक्षा के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

भारत भले ही अपने सबसे महत्वपूर्ण विदेशी भागीदार, अमेरिका के साथ राजनीतिक द्वंद्व में उलझा हो, जबकि अर्थव्यवस्था, जैसा कि जाने-माने वित्तीय पत्रकार टीएन नाइनन ने पिछले हफ्ते की शुरुआत में इन कॉलम में बताया था -'मिलनसार होने की बजाय शर्मीली ज्यादा' है - लेकिन सांस्कृतिक ऊंचाइयों को भव्य पैमाने पर पेश करने की सरकार की 'कभी हार न मानने वाली' महत्वाकांक्षा जस-की-तस है। दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालय, 'युगे-युगीन भारत' की पहली गैलरी साल के आखिर तक खुल जाएगी। इसका पैमाना निश्चित रूप से बहुत विशाल है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज तक के भारत की गाथा बताने वाली 1,00,000 कलाकृतियों को नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की 30 दीर्घाओं में प्रदर्शित जाएगा, लुटियंस दिल्ली में ब्रिटिश राज की ये इमारतें नौकरशाही के आला अधिकारियों का पिछले सौ सालों से कार्यस्थल रहा है।

संग्रहालय में बारे में कुछ ऐसा है जो मोदी सरकार को खासतौर पर भाता है। शायद, बहुजन समाज पार्टी की दलित नेता मायावती की तरह -जिनके खुद के और उनके गुरु कांशी राम और बाबा साहेब अंबेडकर के स्मारक लखनऊ और दिल्ली के बाहरी इलाकों में जगह-जगह बने हैं-मोदी को ज्ञात होगा कि आप उनसे नफरत करें या प्यार, लेकिन स्मारकों को समय की परीक्षा झेलनी पड़ती है। (यही वजह है कि 1991 के आखिर में जब यह स्पष्ट हो गया कि सोवियत संघ बिखरेगा, तो प्रति-क्रांतिकारियों ने सबसे पहले लेनिन और मार्क्स की मूर्तियों पर ही हमला बोला था।) और इसीलिए, जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, पिछले 11 सालों में नई दिल्ली का स्वरूप धीरे-धीरे फिर से बदलकर नया रूप दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री संग्रहालय, जहां मोदी समेत हर विगत प्रधानमंत्री के लिए एक गैलरी होगी- जिसका जिक्र दिल्ली आने वाली शताब्दी ट्रेनों के पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर होता है -से लेकर युगे-युगीन भारत तक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भाजपा का भारत के हृदय में एक खास यादगार बनाने की महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन बेमिसाल है।

प्रभावशाली तथ्य यह कि भाजपा के लिए कुछ भी छोटा नहीं। दिसंबर के आखिरी हफ्ते में जालंधर में हुए हरिवल्लभ संगीत समारोह में, जिसने अपनी 150वीं सालगिरह मनाई है, संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत नहीं आ पाए - इसलिए उन्होंने एक वीडियो संदेश भेजा जिसमें कहा कि सरकार को देश के सबसे पुराने संगीत समारोह के लिए एक ऑडिटोरियम बनाने में खुशी होगी। तालियों के बीच जो अनकहा संदेश संलग्न था, वह यह कि बीजेपी पंजाब की लुप्त हो रही विरासत को पुनर्स्थापित करने में मदद हेतु कुछ भी करेगी- और अगर पंजाब के लोग उसे वोट देकर यह एहसान चुकाते हैं, तो इससे जरूर मदद मिलेगी। इसीलिए दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में उद्घाटन की गई पिपरहवा बुद्ध अवशेषों की प्रदर्शनी में रखी वस्तुओं के विवरण पर बहुत कम ध्यान दिया देखकर हैरानी हुई। जो लोग इसकी पृष्ठभूमि नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि औपनिवेशिक ब्रिटिश हुकूमत के एक इंजीनियर विलियम क्लैक्सटन पेप्पे ने 1898 में बर्डपुर एस्टेट के तहत आते पिपरहवा नामक गांव में कुछ रत्न, गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेष और राख वाले पांच छोटे कलश खोज निकाले थे, नेपाल सीमा के दक्षिण में कई एस्टेट्स का प्रबंधन उनके जिम्मे था।

साल 2025 में, जब पेप्पे के वंशजों ने हांगकॉन्ग में अपने पास रखे बुद्ध अवशेषों की नीलामी करने का फैसला किया, उससे देशभर में खलबली मची, तत्पश्चात केंद्र सरकार ने गोदरेज इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर रत्नों व अवशेषों को खरीदने और वापस मातृभूमि लाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री ने उस समय कहा था 'यह हर भारतीय को गौरवान्वित महसूस कराएगा कि भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा अवशेष 127 साल लंबे अरसे बाद घर (भारत) वापस आ गए हैं'। निश्चित ही, भारत को एक प्राचीन सभ्यता, सिंधु घाटी, और एक प्राचीन विचारधारा,बौद्ध धर्म के सही उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित करने की महत्वाकांक्षा देखना प्रभावशाली है। वहां पर वही थे, आपके सामने एक बुलेटप्रूफ केस में, शानदार रत्न। उन्हें निहारते हुए आप 'चांदी और सोने में उकेरे तारे, तश्तरियों में सोने की पत्तियों में उभरे बौद्ध प्रतीक और नाना आकार के मोती, मनके, लाल या सफेद कार्नेलियन, एमेथिस्ट, पुखराज, गार्नेट, मूंगा और क्रिस्टल पर तराशकर बनाए तारे और फूल'-यह सारी जानकारी 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट पिपराहवा डॉट कॉम' से लेनी पड़ी क्योंकि प्रदर्शनी में यह सब जानकारी उपलब्ध नहीं, न तो वहां मौजूद युवा किंतु खुद अनभिज्ञ स्वयंसेवक बता पाए और न ही प्रदर्शनी की आयोजक डिज़ाइन फैक्ट्री इंडिया (डीएफआई) नामक कंपनी दे पाई।

गौरतलब है कि उक्त कपंनी अपनी मशहूरी इस दावे के आधार पर करती है कि उसने वड़नगर में नगर का 'बुद्ध से नाता' थीम पर एक संग्रहालय बनाया है, और भुज में 2001 के भूकंप की याद में एक संग्रहालय भी बनाया है। प्रदर्शनी में बुद्ध को जीवंत करती शानदार मूर्तियां भी रखी गईं, जिन्हें कोलकाता के भारतीय संग्रहालय, दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालय म्यूजियम और देश के अन्य कई संग्रहालयों से लाया गया है। इनमें से कई मूर्तियां कभी खैबर-पख्तूनख्वा के उन हिस्सों से आई थीं, जो अब पाकिस्तान में हैं, सिवाय इसके कि सूचना पट्टी पर 'पाकिस्तान' शब्द को 'अविभाजित भारत' से बदल दिया गया है। कुछ पेंटिंग्स 'रिक्रिएटिड' - जिसका मतलब है वे जिस संग्रहालय में रखी थीं, वहां उनकी हालत इतनी खस्ता हो गई कि उन्हें दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं। अब हजार साल पुरानी मूर्तियों को गौर से देखने पर आपको भान होता है कि उन्हें साफ किया गया है।

घर पर तैयार करें ढाबा स्टाइल आलू-गोभी की सब्जी

सर्दियों की शुरुआत होते ही बाजारों में ताजी हरी सब्जियों की खुशबू फैल जाती है, और इन्हीं में सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सब्जी है गोभी। ठंड के मौसम में गोभी-आलू की सब्जी न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होती है, बल्कि ये सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर लोगों को ढाबा स्टाइल आलू-गोभी की सब्जी काफी पसंद आती है। तो अगर आप रोज की साधारण सब्जियों से बोर हो चुके हैं, तो आप ढाबा-स्टाइल गोभी-आलू की मसालेदार सब्जी बनाएं जिसे खाने के बाद घर के लोग अपनी उंगलियां चाटते रह जाएंगे। ये सब्जी गरम-गरम पराठें, पूरी या रोटी के साथ बेहद स्वादिष्ट लगती है। खास बात यह है कि इसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और इसका स्वाद किसी भी होटल के खाने को टक्कर दे सकता है।

सामान

1 मीडियम गोभी, 2 आलू,1 बड़ा प्याज, 1 टमाटर, 1 हरी मिर्च।

अदरक-लहसुन का पेस्ट

1 चम्मच हल्दी,1 चम्मच लाल मिर्च,1 चम्मच धनिया पाउडर, नमक स्वादानुसार, 2 चम्मच तेल, हरा धनिया सजाने के लिए।

विधि

आलू गोभी को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म करें और आलू गोभी को सुनहरा होने तक भूनें। यदि आप इसे भूनकर बनाएंगे, तो सब्जी का स्वाद ज्यादा अच्छा आएगा। इसे भूनने के बाद टिश्यू पेपर में निकाल लें, तकि इसका अतिरिक्त तेल निकल जाए। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें, उसमें प्याज और अदरक-लहसुन डालकर सुनहरा भूनें। जब टमाटर और मसाले डालकर तेल छोड़ने तक भूनें। इसके बाद इसमें भुने हुए गोभी और आलू डालें और हल्के हाथ से मिलाएं। इसी दौरान इसमें नमक मिक्स कर दें। नमक को मिक्स करने के बाद कढ़ाही को ढककर सब्जी को कम से कम 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। जब ये सही से पक जाए तो आखिर में इसमें बारीक कटा हरा धनिया डालकर गर्मागर्म पराठे के साथ परोसें।

सिर्फ 15 मिनट में बनाएं साबूदाना का कटलेट

साबूदाना उन चीजों में से एक है जिसे व्रत हो या नॉर्मल दिन, दोनों में आसानी से खाया जा सकता है। आमतौर पर लोग इससे खिचड़ी, वड़ा या पापड़ बनाते हैं, लेकिन आजकल साबूदाना कटलेट सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। खास बात यह है कि ये कटलेट सिर्फ 15 मिनट में तैयार हो जाता है और स्वाद में इतना हल्का होता है कि बच्चे हों या बड़े, सभी इसे तुरंत पसंद कर लेते हैं। इसमें न तो ज्यादा मसाले की जरूरत होती है और न ही लंबे समय की तैयारी। सिर्फ भिगोया हुआ साबूदाना, उबला आलू और कुछ बेसिक मसाले मिलाकर तुरंत एक क्रिस्पी और टेस्टी स्नैक तैयार किया जा सकता है। ये कटलेट उपवास या फास्ट वाले दिनों में भी खाया जा सकता है, क्योंकि इसकी रेसिपी पूरी तरह से व्रत-फ्रेंडली होती है। अगर आप कम समय में कुछ हेल्दी और क्रंची स्नैक बनाना चाहते हैं, तो साबूदाना कटलेट आपके लिए परफेक्ट ऑप्शन है।

सामग्री

1 कप भीगा हुआ साबूदाना, 2 उबले आलू, 2 चम्मच मूंगफली का पाउडर, हरी मिर्च बारीक कटी, काली मिर्च, सेंधा नमक, हरा धनिया, घी या तेल तलने के लिए।

विधि

साबूदाना कटलेट बनाने के लिए सबसे पहले भीगे हुए साबूदाने का पानी अच्छी तरह निचोड़कर उसे एक बड़े बाउल में निकाल लें, ताकि कटलेट बनाते समय मिश्रण ढीला न हो। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश करके साबूदाने में मिलाएं, जिससे दोनों सामग्री आसानी से एकसार हो जाए। इसके बाद इसमें भुनी और पिसी मूंगफली, बारीक कटी हरी मिर्च, काली मिर्च पाउडर, सेंधा नमक और ताजा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। तैयार मिश्रण से छोटे-छोटे गोल या टिक्की आकार के कटलेट बना लें। तवे पर थोड़ा घी या तेल गर्म करें और कटलेट को हल्की आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक सेकें। अगर आप ज्यादा क्रिस्पी बनाना चाहें तो इन्हें डीप फ्राई भी कर सकते हैं। तैयार साबूदाना कटलेट को दही-पुदीना डिप, हरी चटनी या फलाहारी दही के साथ गरमागरम सर्व करें।

हंसना मना है

एक शराबी आधी रात को पुलिस स्टेशन पहुंचा। उसे देखकर ड्यूटी पर मौजूद इंस्पेक्टर कड़क कर बोला-इतनी शराब पीकर तुम्हें पोलिस थाने आते हुवे डर नहीं लगा? शराबी बहकते हुए बोला-अच्छा मुझे पता नहीं था कि यहां भी मेरी बीवी का कोई रिश्तेदार होगा।

एक अनपढ़ लड़की की शादी कुछ ज्यादा ही पढ़े लिखे लड़के से हो गई। एक दिन लड़की ने बेहद लजीज खाना बनाया, जिसे पति बड़े चाव से खा रहा था कि तभी एक निवाला उसके गले में अटक गया। वह खांसते-खांसते मर गया। पत्नी रोते -रोते बोली, हाय यह क्या हो गया, पानी भी नही मांग सके वॉटर-वॉटर कहते हुए ही मर गए।

दो दोस्त दारू पीकर गाडी चला रहे थे। तभी एक चिल्लाया: अबे आगे दिवार है! तभी गाडी दिवार में घुस गई! अगले दिन दोनो हास्पिटल में, पहला दोस्त: मैं चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था आगे दिवार है दिवार है, फिर तुने सुना क्यों नहीं! दुसरा दोस्त: बेवड़े गाडी तो तू चला रहा था।

कहानी | कबूतर और मधुमक्खी

एक समय की बात है। एक जंगल में नदी किनारे एक पेड़ पर कबूतर रहता था। उसी जंगल में एक दिन कहीं से एक मधुमक्खी भी गुजर रही थी कि अचानक से वह एक नदी में जा गिरी। उसके पंख गीले हो गए। उसने बाहर निकलने के लिए बहुत कोशिश की, लेकिन वह नहीं निकल सकी। जब उसे लगा कि वह अब मर जाएगी, तो उसने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। तभी पास के पेड़ पर बैठे कबूतर की नजर उस पर पड़ गई। कबूतर ने उसकी मदद करने के लिए तुरंत पेड़ से उड़ान भर ली। कबूतर ने मधुमक्खी को बचाने के लिए एक तरकीब सोची। कबूतर ने एक पत्ते को अपनी चोंच में पकड़ा और उसे नदी में गिरा दिया। वह पत्ता मिलते ही मधुमक्खी उस पर बैठ गई। थोड़ी ही देर में उसके पंख सूख चुके थे। अब वह उड़ने के लिए तैयार थी। उसने कबूतर को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला। उसके बाद मधुमक्खी वहां से उड़कर चली गई। इस बात को कई दिन बीत चुके थे। एक दिन वही कबूतर गहरी नींद में सो रहा था और तभी एक लड़का उस पर गुलेल से निशाना लगा रहा था। कबूतर गहरी नींद में था, इसलिए वह इस बात से अंजान था, लेकिन उसी समय वहां से एक मधुमक्खी गुजर रही थी, जिसकी नजर उस लड़के पर पड़ गई। यह वही मधुमक्खी थी, जिसकी कबूतर ने जान बचाई थी। मधुमक्खी तुरंत लड़के की ओर उड़ गई और उसने जाकर सीधे लड़के के हाथ पर डंक मार दिया। मधुमक्खी के काटते ही लड़का तेजी से चिल्ला पड़ा। उसके हाथ से गुलेल दूर जाकर गिरी। लड़के के चिल्लाने की आवाज सुनकर कबूतर की नींद खुल गई थी। वह मधुमक्खी के कारण सुरक्षित बच गया था। कबूतर सारा माजरा समझ गया था। उसने मधुमक्खी को जान बचाने के लिए धन्यवाद बोला और दोनों जंगल की ओर उड़ गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। भूमि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इस समय दो खेमों में बंटी हुई है फिल्म इंडस्ट्री : शंकर महादेवन

दिग्गज संगीतकार एआर रहमान इन दिनों अपने संगीत या गानों की वजह से नहीं बल्कि अपने बयानों के चलते चर्चाओं में हैं। इंडस्ट्री में बढ़ती सांप्रदायिकता और इसकी वजह से काम न मिलने की बात कहकर, एआर रहमान ने एक नए विवाद को जन्म दिया है। हालांकि, विवाद बढ़ने पर उन्होंने सफाई भी पेश की। लेकिन फिर भी ये मामला अभी तक गरमाया हुआ है। अब इस पूरे मुद्दे पर दिग्गज संगीतकार और गायक शंकर महादेवन ने भी प्रतिक्रिया दी है। शंकर महादेवन ने कहा कि इंडस्ट्री दो खेमों में बंटी हुई है। एक जो संगीत बना रहे हैं और दूसरे जो इन रचनाओं का भविष्य तय करते हैं। एआर रहमान से जुड़े विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए शंकर महादेवन ने कहा कि मैं हमेशा से यही कहता आया हूं, मैं इसे अलग नजरिए से देखता हूं। संगीत तैयार करने वाला एक व्यक्ति है। इस संगीत के भविष्य का निर्णय लेने वाला व्यक्ति बिल्कुल अलग समूह है। यह एक संगीतमय टीम है; यह एक गैर-संगीतमय टीम है। तो होता यह है कि आपके क्रिएशन का भविष्य एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में होता है जिसे संगीत की जानकारी ही नहीं है। इसलिए यह अपना भविष्य खुद तय करता है। विवाद तब हुआ शुरू हुआ था, जब एआर रहमान ने बीबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा था कि इंडस्ट्री में इस वक्त सांप्रदायिकता बढ़ी हुई है। इसका असर उन्हें अपने काम मिलने के मौकों पर भी दिख रहा है। इसके अलावा रहमान ने ये भी कहा था कि 'बीते आठ साल से मैं यह महसूस कर रहा हूं कि इंडस्ट्री में टैलेंट के दम पर काम नहीं मिलता। म्यूजिक इंडस्ट्री की कमान ऐसे हाथों में है जो न तो क्रिएटिव हैं और ना ही क्रिएटिविटी को समझते हैं। धर्म भी कम काम करने का एक कारण है।'

बार्डर-2 : रिलीज से पहले ही आई सुनामी, 24 घंटे में बिके 53 सौ टिकट

सनी देओल की 1971 भारत-पाक युद्ध पर बनी फिल्म बॉर्डर 2 का फैंस एक लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। वरुण धवन-दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर इस फिल्म की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, फैंस की एक्साइटमेंट का लेवल भी बढ़ता जा रहा है। यूट्यूब पर 24 घंटों में ट्रेलर को मिले व्यूज के मामले में धुरंधर का रिकॉर्ड तोड़ चुकी सनी देओल की बॉर्डर 2 लगता है उसे बॉक्स ऑफिस पर भी बख्शने के मूड में नहीं है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी इस वॉर ड्रामा फिल्म की एडवांस बुकिंग 19 जनवरी सोमवार को शुरू हुई। 24 घंटे में बॉर्डर 2 ने एडवांस बुकिंग में इतनी तगड़ी कमाई की है, जिसे सुनकर आप पूरी तरह से शॉक्ड रह जाएंगे।

1997 में रिलीज हुई बॉर्डर के सीक्वल को लेकर ऑडियंस में कितनी ज्यादा उत्सुकता है, इसका पूरा अंदाजा आपको सनी देओल-दिलजीत दोसांझ की फिल्म की एडवांस बुकिंग कमाई से लग जाएगा। सैकनलिक डॉट कॉम की

रिपोर्ट्स की मानें तो, बॉर्डर 2 की एडवांस बुकिंग खुले हुए अभी 24 घंटे हुए हैं और फिल्म की 53 हजार 526 के आसपास टिकट बिक्री हो गई है। इन ऑनलाइन टिकट बिक्री से फिल्म का टोटल कलेक्शन रिलीज से पहले 1 करोड़ 69 लाख का हुआ है। अगर ब्लॉक सीटों को भी इसमें शामिल किया जाए, तो इसका आंकड़ा 4.56 करोड़ तक जा रहा है। हालांकि, बॉर्डर 2 के मुकाबले धुरंधर का एडवांस बुकिंग कलेक्शन काफी कम था। धुरंधर की 24 घंटे में टोटल 9 से 10 हजार टिकट बिकी थी और कलेक्शन 34 लाख तक का हुआ था। बॉर्डर 2 को नेशनल चेन में टोटल 7 हजार 257 शोज अभी तक मिले हैं, जैसे-जैसे फिल्म की डिमांड बढ़ती जाएगी, बॉर्डर 2 के शोज भी बड़ा दिए जाएंगे। बॉर्डर 2 का जिन शहरों में सबसे अच्छा रिस्पांस हैं, उनमें असम है, जहां फिल्म की 24 घंटे में टोटल 1.46 लाख टिकट बिकी हैं। इसके अलावा बिहार, छत्तीसगढ़ में , गुजरात , हरियाणा , झारखंड , कर्नाटक , मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र , ओड़िशा , पंजाब , राजस्थान, तेलंगाना , उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड , पश्चिम बंगाल , दिल्ली और जम्मू कश्मीर में फिल्म का एडवांस बुकिंग कमाई में अच्छा कलेक्शन हुआ है।

काम पर लौटे पलाश मुछाल, श्रेयस तलपड़े के साथ बनाएंगे नई फिल्म

पलाश मुछाल ने अपनी एक अनाम फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म को वही निर्देशित करेंगे। इसकी कहानी एक आम आदमी की जिंदगी पर आधारित होगी। फिल्म में लीड रोल एक्टर श्रेयस तलपड़े निभाएंगे।

पलाश मुछाल पहली बार किसी फिल्म का निर्देशन नहीं कर रहे हैं। वह पहले भी अर्ध और काम चालू है जैसी फिल्में बना चुके हैं। इन दोनों फिल्मों में राजपाल यादव ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब वह श्रेयस तलपड़े को लेकर एक नई फिल्में बनाने पर काम कर रहे हैं।

पिछले साल के आखिर में क्रिकेटर स्मृति मंधाना और कंपोजर पलाश मुछाल के शादी का मामला खूब सुर्खियों में रहा। 6 साल के रिलेशनशिप के बाद 23 नवंबर को

इनकी शादी होने वाली थी लेकिन शादी टल गई। शादी टलने के पीछे एक कथित चैट को जिम्मेदार माना गया। इस चैट में पलाश मुछाल पर चीटिंग के आरोप लगे। बताते चलें कि 23 नवंबर को मीडिया को सूचित किया गया कि स्मृति के पिता की तबीयत खराब होने के कारण शादी टाल दी गई है। बाद में स्मृति के पिता को अस्पताल से छुट्टी भी मिली। लेकिन शादी नहीं हुई। स्मृति ने अपने इंस्टाग्राम से मेहंदी और हल्दी फंक्शन की वीडियो हटा दिए हैं, उनकी दोस्तों ने भी फोटो, वीडियो इंस्टाग्राम से डिलीट कर दिए हैं। बाद में पलाश और स्मृति ने अपने इंस्टाग्राम पर एक-एक पोस्ट साझा कर जिंदगी में आगे बढ़ने की बात कही। इससे यह कंफर्म हो गया कि अब इस जोड़े की शादी नहीं होगी और ये अलग हो चुके हैं। स्मृति ने शादी टूटने के बाद अपने क्रिकेट करियर पर फोकस किया। अब पलाश मुछाल भी डायरेक्शन में वापस हाथ आजमा रहे हैं।

अजब-गजब | इस देश में है दुनिया की सबसे बड़ी सोने की खदान

इस खदान से हर साल निकलता है 48 टन सोना

सोने और चांदी की कीमतें आसमान छू रही हैं। पीली धातु इतनी महंगी हो चुकी है कि आम इंसान के लिए खरीदना मुश्किल हो गया है। भारत समेत दुनिया के कई देशों में सोने की खदाने हैं, जो वहां की समृद्धि में अहम भूमिका निभाते हैं। लेकिन आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी खदान के बारें बताएंगे। आइए जानते हैं कि दुनिया कहां पर दुनिया की सबसे बड़ी खदान है।

इंडोनेशिया के पापुआ क्षेत्र में एक सोने की खदान स्थित है। इस सोने की खदान का नाम ग्रासबर्ग है। यह दुनिया की सबसे बड़ी और अमीर सोने की खदान है। इस खान से हर साल करीब 48 टन सोने का उत्पादन होता है।

मुस्लिम आबादी वाले इंडोनेशिया की थ्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। इस खदान की सबसे बड़ी खासिय यह है कि सोने के साथ-साथ दुनिया की सबसे बड़ी तांबे की खदानों में से भी एक है। ग्रासबर्ग खदान से निकलने वाले अयस्क में सोने और तांबे की उच्च मात्रा होती है। पापुआ के सबसे ऊंचे पर्वत पुंचक जया के पास ग्रासबर्ग खदान स्थित है। इस पूरे इलाके का टेक्टोनिक प्लेटों के खिसकने से निर्माण हुआ है और खनिज भंडारों से भरा हुआ है।

ग्रासबर्ग खदान से बड़ी तादाद में सोना निकाला जाता है। इसका काफी बड़ा ऊपरी

हिस्सा अब बंद भी हो चुका है।

क्यों बना है खदान में एयरपोर्ट?

इंडोनेशिया की इस खदान का संचालन बहुत बड़े पैमाने किया जाता है। वर्तमान समय में इसमें 20,000 लोग काम कर रहे हैं। इस खदान का अपना एयरपोर्ट और बंदरगाह है।

यहां पर कर्मचारियों के रहने के लिए घर, स्कूल और अस्पताल हैं। पहले यहां पर एक मील चौड़ा गड्ढा था, लेकिन सतह का भंडार काफी हद तक खाली हो गया है और अंडरग्राउंड उत्पादन किया जा रहा है।

कितना मौजूद है सोना?

ग्रासबर्ग से साल 2023 में 52.9 टन सोना, 680,000 टन तांबा और 190 टन चांदी निकाली गई थी। यह इसे दुनिया की सबसे बड़ी खदान बनाते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभी इसमें अनुमानित 40 अरब डॉलर मूल्य का सोने के भंडार मौजूद हैं।

कब हुई थी इसकी खोज?

डच भूविज्ञानी जीन जैक्स डोजी ने साल 1936 में यहां खनिजों की खोज की थी। लेकिन 1960 के दशक में बड़े पैमाने खनन शुरू किया गया। इस दशक में फ्रीपोर्ट मैकमोरन को यहां खनन का अधिकार मिला था।

इसके बाद से ग्रासबर्ग का लगातार विस्तार होता रहा है। इंडोनेशियाई सरकार ने कुछ समय पहले ही फ्रीपोर्ट मैकमोरन को 2041 तक खनन की अनुमति दी है।

कौन है फ्रीपोर्ट मैकमोरन?

फ्रीपोर्ट मैकमोरन अमेरिका की एक प्रमुख खनन कंपनी है। यह दुनिया की सबसे बड़ी तांबा उत्पादकों में से एक है। यह खनन कंपनी तांबा, सोना और मोलिब्डेनम जैसे महत्वपूर्ण खनिज निकालती है। इसका मुख्यालय फीनिक्स, एरिजोना में है।

मुगल शासक अकबर पीता था गंगाजल वह इसे मानता था स्वर्ग का पानी

दुनियाभर में गंगा को सबसे पवित्र नदी माना जाता है। भारत में गंगा नदी को माता कहा जाता है और लोग गंगा मां कहकर पुकारते हैं। धार्मिक मान्यता है कि गंगा नदी में स्नान मात्र से सभी पाप धुल जाते हैं और गंगजल को अमृत माना जाता है। यह सदियों से चला रहा है। कहा जाता है कि गंगा का पानी पीने से इंसानों की कई बीमारियां खत्म हो जाती हैं। हिंदू धर्म के अलावा गंगा नदी का दूसरे धर्मों के लोग भी सम्मान करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि गंगा नदी के जल को मुगल शासक पवित्र मानते थे। एक मुगल शासक हमेशा गंगा नदी का पानी पीता था और गंगा नदी के पानी को स्वर्ग का पानी मानता था। इस मुगल शासक का नाम अकबर था। अबुल फजल की किताब आइन-ए-अकबरी में यह बड़ी बात कही गई है। किताब में कहा गया है कि अकबर गंगा नदी का पानी पीता था। मुगल शासक अकबर आगरा और फतेहपुर सीकरी में निवास करता था, तो उसके पीने के लिए यूपी के सोरों से गंगाजल लाया जाता था। अकबर ने जब लाहौर को राजधानी बना लिया, तो पीने के लिए हरिद्वार से गंगा पानी जाने लगा। दिल्ली और आगरा में ऋषिकेश और हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए कई घुड़सवारों की तैनाती की गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकबर घर पर और यात्रा के दौरान गंगाजल ही पीता था। गंगाजल लाने के लिए नदी के किनारे अपने सबसे भरोसे मंद लोगों को तैनात किया था। अकबर के लिए जार को सीलबंद कर पानी लाया जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता था कि उसमें कोई जहर न मिला सके। अकबर के लिए जो खाना बनाया जाता था उसमें यमुना और चेनाब नदी के पानी का इस्तेमाल होता था, लेकिन इसमें भी गंगा जल जरूर मिलाया जाता था। अकबर के अलावा उससे पहले बाबर और हुमायूं गंगा जल पसंद करते थे। वह गंगा जल को आब-ए-हयात यानी स्वर्ग का पानी मानते थे। कुछ लोग मुगल शासकों के गंगा जल पीने के पीछे कई वजह बताते हैं। उनका कहना है गंगा नदी का पानी लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। इसकी वजह यह है कि गंगा जल में बैक्टीरिया भी नहीं पनपते हैं। लैब टेस्ट में यह साबित हो चुका है कि गंगा जल में कई ऐसे तत्व और मिनरल्स पाए जाते हैं। इनके चलते गंगा का पानी खराब नहीं होता है।

जनता में अब बीजेपी का डर खत्म

गुजरात से आप ने भाजपा पर किया प्रहार

» पूर्व दिल्ली सीएम केजरीवाल बोले - अब जनता उठा रही आवाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को गुजरात के वडोदरा में पार्टी बूथ कार्यकर्ताओं की भीड़ को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा के भय को दूर करते हुए खुलकर बोलने के लिए नागरिकों की सराहना की। भाजपा पिछले 30 वर्षों से गुजरात में सत्ता में थी। उन्होंने कहा कि कभी सबसे समृद्ध राज्य रहा गुजरात, भाजपा द्वारा तीन वर्षों में पूरी तरह से कंगाल कर दिया गया है। केजरीवाल ने कहा कि आज लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं।

लोगों के मन से धीरे-धीरे भय दूर हो रहा है। मुझे बहुत खुशी है कि लोग धीरे-धीरे खड़े हो रहे हैं। एक समय था जब गुजरात देश का सबसे समृद्ध राज्य माना जाता था। उस समय गुजरात के लोग समृद्ध थे। आज, तीन वर्षों के भीतर, भाजपा ने सब कुछ लूट लिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हद्दाद गांव में चल रहे विरोध प्रदर्शन में शांतिपूर्ण आंदोलन करने के बावजूद कई किसानों को गिरफ्तार किया गया। बोटाद के हद्दाद गांव में तीन महीने से चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन में गुजरात सरकार ने 85 किसानों को गिरफ्तार किया है। ये गरीब किसान थे। वे किसानों की कढ़ा प्रथा के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वे न्याय और किसानों के अधिकारों की मांग कर रहे थे। वे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने हमारे राजू करपाड़ा और प्रवीण राम को भी गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने हमारे नेताओं और गरीब किसानों को जेल में डाल दिया है।

दिल्ली में तेजी से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा हो : आतिशी

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है और इस मामले पर चर्चा के लिए बैठक का अनुरोध किया है। एक पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा कि मैंने गृह मंत्री अमित शाह जी को पत्र लिखकर दिल्ली में तेजी से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए समय मांगा है। हत्या, लूटपाट, गिरोहवार और गोलीबारी की लगातार घटनाओं से नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। दिल्ली को सुरक्षा चाहिए, चुप्पी नहीं! राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए बम धमाके का जिक्र करते हुए आम आदमी पार्टी नेता ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। अपने पत्र में आतिशी ने लिखा, दिल्ली में बढ़ते अपराध ने लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के घर के पास एक आप कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। ग्रेटर कैलाश में एक जिम के बाहर दिनदहाड़े हत्या हुई... लाल किले के पास हुए बम धमाके ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति राष्ट्रीय प्रतिष्ठा और आंतरिक सुरक्षा का विषय है।

सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा को दिखाया आईना : अभिषेक

» टीएमसी नेता ने अदालत के फैसले को भाजपा की हार बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। टीएमसी ले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा पा करारा हमला किया है। बता दें पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आने वाले मतदाताओं के नाम प्रदर्शित करने के लिए ईसीआई को दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का पार्टी ने स्वागत किया बारासात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, टीएमसी नेता ने अदालत के इस फैसले को भाजपा की हार बताया और कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आने वाले नामों को प्रकाशित करने की पार्टी की मांग को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि एआईटीसी द्वारा दायर मामले के संबंध में एसआईआर पर सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई हुई थी।

आम जनता को लगातार परेशान किया जा रहा था। आयोग ने नाम हटाने का प्रयास किया। लगभग 20 दिन पहले, 31 दिसंबर को, हमने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के साथ एक बैठक की थी। यह सुझाव दिया गया था कि तार्किक विसंगतियों की सूची प्रकाशित की जाए। यदि उन्होंने सूची प्रकाशित कर दी होती, तो सच्चाई सामने आ जाती। हमने बताया था कि एआईटीसी का बीएलए 2 सुनवाई स्थल पर उपस्थित रहेगा, लेकिन ईसीआई ने इसे अस्वीकार कर दिया। हमने कहा था कि अगर दिशानिर्देश जारी नहीं किए गए तो एआईटीसी सुनवाई केंद्र नहीं छोड़ेगी। आज मैं बहुत खुश हूं। उत्तर 24 परगना की धरती मेरे लिए शुभ है। इस धरती को छूना ही मेरी जीत निश्चित है। आज मुझे पता चला कि सुप्रीम कोर्ट ने एआईटीसी की मांग स्वीकार कर ली है और तार्किक विसंगतियों की सूची प्रकाशित करने का आदेश देते हुए फैसला सुनाया है।

लगातार 5वीं जीत के साथ प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी

» स्मृति मंधाना की टीम ने गुजरात को 61 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वडोदरा। आरसीबी ने गुजरात जाएंट्स को 61 रन से हरा दिया। महिला प्रीमियर लीग 2026 में यह आरसीबी की लगातार पांचवीं जीत है। इसी के साथ स्मृति मंधाना की शीर्ष पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच गई। सोमवार को वडोदरा में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में छह विकेट पर 178 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम निर्धारित ओवरों में 117 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने महज नौ रन पर ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वॉल के विकेट गंवा दिए।

इसके बाद गौतमी नाइक ने पारी को संभालते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा। कप्तान स्मृति मंधाना के साथ उन्होंने तीसरे विकेट के लिए 60 रनों की अहम साझेदारी की। मंधाना के आउट होने के बाद नाइक ने ऋचा घोष के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। नाइक ने 55 गेंदों में 73 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि ऋचा घोष ने आक्रामक अंदाज में 27 रन बनाए। अंत में राधा यादव की तेजतर्रार पारी की बदौलत आरसीबी ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 178 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जाएंट्स की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। पावरप्ले में ही टीम ने बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, अनुष्का शर्मा और कनिका आहूजा जैसे अहम विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों से टीम उबर नहीं सकी। कप्तान एश्ले गार्डनर ने 43 गेंदों में 54 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली और भर्ति फुलमाली ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन रन रेट का दबाव लगातार बढ़ता गया। आरसीबी की गेंदबाजी के सामने गुजरात की बल्लेबाजी बिखर गई और पूरी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर सिर्फ 117 रन ही बना सकी, जिससे उन्हें 61 रनों की करारी हार झेलनी पड़ी।

वनडे सीरीज के बाद गिल को नहीं मिलेगा आराम

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को समाप्त हुई वनडे सीरीज के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में खेलेंगे। विजय हजारे ट्रॉफी के समाप्त होने के बाद अब रणजी ट्रॉफी का अगला चरण शुरू हो रहा है। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीनों मैच खेले थे। उन्हें कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा।

मांगों को लेकर निकाय कर्मचारियों का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के आवाहन पर प्रदेश भर के निकाय कर्मचारियों ने अपनी लंबित समस्याओं एवं 10 सूत्रीय मांग पत्र के समाधान न होने के विरोध में गेट मीटिंग व प्रदर्शन किया। लखनऊ सहित प्रदेश की सभी इकाइयों में दोपहर के भोजनावकाश के दौरान कर्मचारियों ने अपने-अपने विभागाध्यक्षों के माध्यम से नगर विकास मंत्री एवं प्रमुख सचिव नगर विकास को ज्ञापन प्रेषित किया। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशिकुमार मिश्रा ने बताया कि महासंघ द्वारा पूर्व में प्रेषित 10 सूत्रीय मांग पत्र पर अब तक कोई ठोस निर्णय न लिए जाने से कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

इसी के यह विरोध कार्यक्रम आयोजित किया गया और मांगों के समयबद्ध निस्तारण के लिए पुन: ज्ञापन सौंपा गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पूर्व में हुई बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुसार संबंधित आदेश

10 सूत्रीय मांग को लेकर 19 फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

समय रहते जारी नहीं किए गए, तो महासंघ 18 फरवरी तक एक बड़े आंदोलन की तैयारी करेगा। इसके बाद भी यदि मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो 19 फरवरी से प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन कार्यबंदी की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश सरकार एवं शासन की होगी। महासंघ का कहना है कि वह बीते कई वर्षों से सफाई कर्मचारियों सहित अन्य समस्त संवर्गों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार ध्यानाकर्षण आंदोलन करता आ रहा है, लेकिन नगर विकास विभाग द्वारा अब तक कोई सकारात्मक आदेश जारी नहीं किया गया है। इससे प्रदेश के निकाय कर्मचारियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता बनाएंगी नई पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता, तेलंगाना में एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की संभावना पर चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर से बातचीत कर रही हैं।

जिसमें उन्होंने तेलंगाना के राजनीतिक परिदृश्य और संबंधित चिंताओं पर विशेष जोर दिया। बीआरएस से 2025 में निलंबित होने और विधान परिषद से इस्तीफा देने के बाद, कविता जनता की शिकायतों को सक्रिय रूप से संबोधित कर रही हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के लिए बीआरएस और सत्ताधारी कांग्रेस दोनों की आलोचना की है और आगामी विधानसभा चुनावों में चुनाव लड़ने तथा तेलंगाना की स्थापना के बाद से कथित कुकर्मों की जांच करने का संकल्प लिया है।

तबादला आदेश बेअसर, जांच ठंडे बस्ते में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम में भी चलती मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति नगर निगम के सहायक अभियंता ईशान कुमार के खिलाफ गंभीर आरोपों से जुड़ी जांच वर्षों से ठंडे बस्ते में पड़ी हुई है। यह वही मामला है, जिसमें आलमबाग फीनिक्स मॉल के पीछे की सड़क पर स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट उतरने से एक मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई थी। इसी तरह जोन-7 क्षेत्र के एक पार्क में खेल रहे मासूम की भी स्ट्रीट लाइट के खुले तारों की चपेट में आने से जान चली गई थी।

लगातार दो घटनाओं के बाद तत्कालीन अपर नगर आयुक्त ने पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए थे। जांच के दौरान अवर अभियंता पर तो कार्रवाई कर दी गई, लेकिन उस समय क्षेत्र के जिम्मेदार सहायक अभियंता ईशान कुमार पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आरोप है कि मुख्य अभियंता आर.आर. द्वारा ईशान कुमार से जुड़ी जांच को दबा दिया गया,

» सहायक अभियंता ईशान कुमार पर कार्रवाई कब

जिससे वे कार्रवाई से बचते रहे। शासन के तबादला आदेश को कथित तौर पर मुख्य अभियंता आर.आर. ने नजरअंदाज किया। निदेशक, स्थानीय निकाय द्वारा इस संबंध में पत्र भी जारी किया जा चुका है। नगर आयुक्त द्वारा दिया गया छह माह की रोक का पत्र भी अपनी समय-सीमा पूरी कर चुका है। इसके बावजूद ईशान कुमार अब भी लखनऊ में तैनात हैं। जवाबदेही पर सवाल मासूमों की मौत, जांच के आदेश, मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत और तबादला निर्देश इन सबके बाद भी कार्रवाई न होना नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना यह है कि शासन इस पूरे मामले में कब तक चुप्पी तोड़ता है, या फिर यह प्रकरण भी अन्य मामलों की तरह फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

महान राष्ट्र मौन से नहीं बनते : राहुल गांधी

» नेता प्रतिक्षा की अपील- जनता अपनी चुप्पी तोड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जनता से चुप्पी न साधने का आग्रह किया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि नि:संकोच संस्कृति में लालच का विचार गहराई से समाया हुआ है। राहुल गांधी ने कलामस्सेरी में एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रियदर्शनी साहित्य पुरस्कार प्रदान किया। कोच्चि में एक सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरे देश में हम ऐसे लोगों को देखते हैं जो किसी बात पर विश्वास तो करते हैं लेकिन उसे कहने का साहस नहीं रखते। लेकिन महान राष्ट्र मौन में नहीं बनते।

महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं जब वे अपने विचार और राय व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं। गांधी ने कहा कि मुझे जो चाहिए वह मिल रहा है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ कहने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों को अपमानित होते हुए, लोगों की हत्या होते हुए, लोगों को मरते हुए देख सकता हूं। जब तक मैं ठीक हूं, सब ठीक है। यही लालच की संस्कृति है।

73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी की देन

राहुल ने कहा कि मैं स्थानीय निकाय चुनावों में भाग लेने वाले सभी लोगों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ के लिए शानदार परिणाम दिए। ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत, जिला परिषद, नगरपालिका और नगर निगमों सहित सभी स्तरों पर हमारा प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। मैं विशेष रूप से प्रसन्न हूँ क्योंकि पंचायतें, जो सरकार का तीसरा स्तर हैं, हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव हैं। यदि हम संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें पंचायतों और नगर पालिकाओं की रक्षा करनी होगी। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों का विचार कांग्रेस पार्टी का ही था। संविधान का मूल सिद्धांत एक व्यक्ति, एक वोट है। और इसका मतलब यह है कि देश के संचालन में प्रत्येक भारतीय नागरिक की आवाज होनी चाहिए।

भाजपा और आरएसएस सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर

उन्होंने कहा कि अगर आप भाजपा और आरएसएस तथा हम, कांग्रेस पार्टी, के बीच के अंतर को गहराई से देखें, तो पाएंगे कि वे सत्ता के केंद्रीकरण के पक्षधर हैं, जबकि हम सत्ता के विकेंद्रीकरण के पक्षधर हैं। वे भारत की जनता से अंधाधुंध आज्ञापालन चाहते हैं; वे भारत की जनता की आवाज़ सुनना ही नहीं चाहते। एक पोस्ट में कांग्रेस ने कहा, केरल के कोचीन हवाई अड्डे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी का पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

रायबरेली में दहाड़े कांग्रेस सांसद- सरकार ने धर्म का आडंबर ओढ़ा है, जिसे बेनकाब करना जरूरी

रायबरेली में सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में पार्टी पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें लड़ते रहना है और डरना नहीं है। उन्होंने वर्तमान भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार धर्म का आडंबर ओढ़े हुए है, जिसे बेनकाब करना आवश्यक है। बैठक में आगामी पंचायत चुनावों में उम्मीदवारों के चयन और पार्टी की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श किया गया। राहुल गांधी ने पार्टी की युवा शक्ति को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। इस संकेत से यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस आगामी पंचायत चुनावों में युवा चेहरों पर भरोसा जता सकती है। पार्टी का मानना है कि युवा जोश और नए विचारों से संगठन को मजबूती मिलेगी और जमीनी स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया जा सकेगा।

भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने नितिन नबीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन मंगलवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभाल लिया। 14 दिसंबर 2025 को नितिन नवीन को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। सोमवार को चुनाव प्रक्रिया की औपचारिकता पूरी होने के बाद भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन के नाम पर आधिकारिक रूप से मुहर लग गई।

नितिन नवीन ने अपने संबोधन में कहा कि हमने कार्यकर्ता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशसेवा के काम करते हुए देखा। उन्होंने कहा कि भाजपा में राजनीति पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है। भाजपा अगर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है तो प्रेरणादायी नेतृत्व, विचारधारा और कार्यकर्ता हैं।

शंकराचार्य मामले में सियासी बवाल जारी

प्रयागराज मंडल की कमिश्नर पर बरसे सपा प्रमुख अखिलेश मंडलायुक्त ने अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा

» सपा चीफ बोले- माघ मेले में भाजपा घोटाले कर रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में माघ मेले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के अपमान मामले में सियासी बवाल जारी है। प्रयागराज मंडल की मंडलायुक्त ने अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य होने का प्रमाण देने की बात करके माहौल को और गर्म कर दिया है। उधर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने प्रयागराज मंडल की मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल की प्रेस वार्ता का एक वीडियो साझा करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं।

सपा चीफ ने आरोप लगाया है कि माघ मेले में भारतीय जनता पार्टी कमीशन के रूप में घोटाले कर रही है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि भाजपा के महाभ्रष्ट राज में मेले के नाम पर पचासों हज़ार की महा-रकम कमीशन के रूप में गटक जाने का नया खेल शुरू हुआ है. इसीलिए उन साधु-संतों को भी सम्मान नहीं मिल पा रहा है, जो मेले की शोभा होते हैं. जिनका दर्शन मात्र ही आशीर्वाद होता है, उनके साथ बेहद आपत्तिजनक-अपमानजनक हिंसक दुर्व्यवहार शासन-प्रशासन इसलिए कर रहा है क्योंकि 'मेला महाभ्रष्टाचार' की कमीशनखोरी के इस गोरखधंधे में भाजपाई गुट की मिलीभगत है।

मेलाक्षेत्र के संजय का 'धृतराष्ट्र' कौन

सपा चीफ ने कहा कि इसीलिए जो भी मेले की दुर्व्यवस्था और बदइंतज़ामी के बारे में बोलेगा वो भाजपाई और उनके संगी-साथियों के साथ-साथ 'संगीधिकारियों' के निशाने पर होगा और सरेआम शिकार होगा। मेलाक्षेत्र के संजय का 'धृतराष्ट्र' कौन है, जिसको आँखों देखा हाल सुनाया-दिखाया जा रहा था। भाजपा को कमिश्नर की जगह 'कमीशनर' की नयी पोस्ट बना देनी चाहिए, कुछ तो है जिसमें हिस्सेदारी है।

भाजपा की अलोकतांत्रिक सरकार है : सनातन पांडेय

इस मामले पर सपा के सांसदों ने भी सरकार पर निशाना साधा। बलिया सांसद सनातन पांडेय ने कहा कि यह अलोकतांत्रिक सरकार है। अविमुक्तेश्वरानंद पर शंकराचार्य होने का नोटिस जारी करने पर समाजवादी पार्टी के बलिया के सांसद सनातन पांडे ने कहा कि इस मामले में बोलेंगे तो बात बहुत आगे बढ़ जाएगी।

इस सरकार में शंकराचार्य भी उत्पीड़ित : रामभुआल

सांसद, सुल्तानपुर रामभुआल निषाद ने कहा कि इस सरकार में शंकराचार्य भी उत्पीड़ित है उनके साथ बर्बरता की जा रही है। बनारस मणिकर्णिका घाट मामले पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मंदिरों को अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करती है जिनकी जरूरत नहीं है उन्हें तोड़ दिया जाता।

नगर निगम कर्मचारी संघ के पूर्व उपाध्यक्ष का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कर्मचारियों के हित एवं मान सम्मान के लिए एक बुलंद आवाज हमेशा के लिए शांत हो गई। नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के संस्थापक जिन्होंने वर्ष 2004 में संघ की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज सम्मानित अरविंद कुमार रूप इस दुनिया से अपनी आखिरी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर की शरण में चले गये।उनका निर्भीक एवं दोस्ताना चरित्र एवं संघ के प्रति आस्था तथा परिवार को एकजुटता में पिरोने की अदा उनके परिवार, दोस्तों एवं कर्मचारियो में हमेशा यादगार बना रहेगी। ईश्वर रूप जी की आत्मा को शांति एवं परिवार को इस असीम दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। नगर निगम कर्मचारी संघ अध्यक्ष आनंद वर्मा ने जानकारी दी ।

व्यवसाय और होटल बंद कर सकते हैं लेकिन अखबार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

» पंजाब केसरी मामले की अदालत ने की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब केसरी अखबार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई कि पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उसके एक प्रिंटिंग प्रेस और प्रबंधन से जुड़े एक होटल को बंद कर दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल राहत देते हुए कहा कि प्रिंटिंग प्रेस को बंद नहीं किया जाएगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट कहा कि आप व्यवसाय और होटल बंद कर सकते हैं, लेकिन अखबार नहीं. अदालत ने यह भी कहा कि प्रदूषण का हवाला देकर अखबार बंद नहीं किए जा सकते। पीठ ने मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना यथास्थिति बनाए रखने और प्रिंटिंग प्रेस को बिना किसी बाधा के चालू रखने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि अखबार की प्रिंटिंग प्रेस को बंद करने पर लगी अंतरिम रोक पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश आने के एक हफ्ते बाद तक लागू रहेगी, ताकि पीड़ित पक्ष चाहे तो हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दे सके।

राज्य सरकार की दलील

पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि संबंधित होटल में प्रदूषण की समस्या पाई गई। प्रिंटिंग प्रेस में शराब की दो बोतलें मिलीं। हाई कोर्ट ने मामले की विस्तृत सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया है, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसे होटल से कोई लेना-देना नहीं, पर प्रिंटिंग प्रेस को बंद नहीं किया जाना चाहिए।

सबरीमाला सोना चोरी मामले में तीन राज्यों में 21 ठिकानो पर ईडी की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी और उससे जुड़े धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एक साथ तीन राज्यों में छापेमारी कर हड़कंप मचा दिया। जांच एजेंसी ने केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के लगभग 21 स्थानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत यह तलाशी अभियान चलाया है।

ऐसा माना जा रहा है कि संघीय जांच एजेंसी बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की प्राथमिकी का संज्ञान लेते हुए पीएमएलए के तहत एक मामला दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पहले से ही की जा रही है। यह जांच कई अनियमितताओं से संबंधित है, जिनमें आधिकारिक कदाचार, प्रशासनिक चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की विभिन्न कलाकृतियों से सोना चोरी करने की आपराधिक साजिश शामिल है। शुरुआत में इस मामले की जांच केरल पुलिस की प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई थी। वर्तमान में, केरल उच्च न्यायालय की देखरेख में राज्य के विशेष जांच दल द्वारा इसकी जांच की जा रही है। हालांकि, वित्तीय हेराफेरी और मनी लॉन्ड्रिंग के पुख्ता संकेत मिलने के बाद अब ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज कर अपनी स्वतंत्र जांच शुरू कर दी है।

राजनीतिक गलियारों में हलचल

सबरीमाला मंदिर से जुड़ी आस्था और परंपराओं के कारण यह मामला राजनीतिक रूप से काफी संवेदनशील माना जा रहा है। टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष पर हो रही कार्रवाई ने केरल की राजनीति में भी सरगर्मी बढ़ा दी है। श्वष्ठ की इस कार्रवाई का उद्देश्य उन वित्तीय लेन-देन का पता लगाना है, जो मंदिर से चोरी किए गए सोने के जरिए किए गए हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की नाराजगी के बाद वरिष्ठ आईपीएस पर गिरी गाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा और कड़ा कदम उठाते हुए डीजीपी रैंक के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है, जिसमें कथित तौर पर अधिकारी को अपने सरकारी कार्यालय के भीतर विभिन्न महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देखा गया था।

यह फैसला डीजीपी रैंक के अधिकारी के सरकारी ऑफिस में कथित व्यवहार को लेकर बढ़ते विवाद और लोगों के गुस्से के बीच आया। यह विवाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के ऑफिस तक पहुंच गया, जिन्होंने सोमवार को संबंधित विभाग से जानकारी ली। एक दिन बाद, राज्य प्रशासन ने सीनियर पुलिस अधिकारी को सस्पेंड करने का फैसला किया। इस घटना ने राज्य के राजनीतिक गलियारों और पुलिस महकमे में तूफान खड़ा कर दिया है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा